

**Fourteenth Loksabha**

**Session : 4**

**Date : 12-05-2005**

**Participants : Verma Shri Rajesh, Pathak Shri Brajesh, Pal Shri Raja Ram, Mukherjee Shri Pranab**

>

Title: Regarding investigation & conducted by C.B.I. against the Leader of Bahujan Samaj Party.

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज, आप बैठिये। I will adjourn the House. I will not allow you to shout. Some of you will have to go out of this House also.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। You should learn at least this much lesson. Learn to behave! I am sorry to say all these harsh words. This is very strange. I have not been able to take my seat and you are shouting.

... (Interruptions)

श्री ब्रजेश पाठक (उन्नाव) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश मे मुख्य मंत्री रही बहन मायावती... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप धीरे से बोलिये, इतना जोर से बोलने की जरूरत नहीं है।

श्री ब्रजेश पाठक : उत्तर प्रदेश में मुख्य मंत्री रहीं बहन मायावती दलितों की मसीहा हैं। लेकिन सी.बी.आई. द्वारा दोहरा मापदंड अपनाकर उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। इस मौके पर आप मुझे बोलने का समय देने का कट करें।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, शून्यकाल में आपको बोलने का मौका देंगे।

...(व्यवधान)

श्री ब्रजेश पाठक : यह बहुत गम्भीर मामला है... (व्यवधान)

श्री राजेश वर्मा (सीतापुर) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है, हमें बोलने का मौका दीजिए।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions)\* ...

MR. SPEAKER: You do not have to help me. I do not need anybody's help.

... (Interruptions)

---

\* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Shri Rajesh Verma, please control them.

... (Interruptions)

-

**11.03 hrs.** *(At this stage, Shri Bhal Chandra Yadav and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table)*

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please go back to your seats. I will take action against you. Please go back to your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing should be recorded.

*(Interruptions)\* ...*

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 11.15 a.m.

**11.06 hrs.**

*The Lok Sabha then adjourned till Fifteen Minutes  
past Eleven of the Clock*[\[R1\]](#).

---

---

\* Not Recorded.

**11.15 hrs.**

*The Lok Sabha re-assembled at Fifteen minutes  
past Eleven of the Clock.*

(Mr. Speaker in the Chair)

**(i) Re: Investigations conducted by CBI against the Leader of**

**Bahujan Samaj Party**

MR. SPEAKER: Shri Brajesh Pathak, what do you want to say?

श्री ब्रजेश पाठक (उन्नाव) : माननीय अध्यक्ष महोदय, इस देश के करोड़ों दलित-शोणितों के हितों को ध्यान में रखकर सीबीआई जांच एजेंसी के दोहरे मानदण्ड का खुलासा करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ ताकि भविय में इन वर्गों के साथ किसी भी प्रकार का कोई अन्याय न हो सके।

मान्यवर, किसी भी मामले को लेकर सीबीआई द्वारा जिस प्रकार से दलित शोणितों पर दोहरा मापदण्ड अपनाया जा रहा है, इससे यह साफ जाहिर होता है कि दुनिया में भारत एक ऐसा देश है, जहां कानून तो एक है लेकिन लागू दो तरीके से होता है। यहां दलित-शोणितों पर अलग और बाकी समाज के लोगों पर अलग तरीके से लागू होता है, जिसकी सबसे बड़ी मिसाल ताज प्रकरण मामले में हमारी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कु. मायावती जी हैं। इस मामले में सीबीआई ने दोहरा मापदण्ड अपनाया है। हमारी नेता के मामले में अलग मापदण्ड और दूसरों के मामलों में अलग मापदण्ड अपनाया गया है, क्या इसलिए कि हमारी नेता दलित वर्ग से ताल्लुक रखती हैं?

इस बारे में मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि ताज प्रकरण मामले में फंसे लोगों में से हमारी नेता को छोड़कर बाकी सभी लोगों के खिलाफ केवल एक एफआईआर दर्ज की गई है लेकिन हमारी नेता के खिलाफ डबल एफआईआर दर्ज की गई है, ऐसा क्यों हुआ है? क्योंकि हमारी नेता एक दलित वर्ग से ताल्लुक रखती हैं। सीबीआई की ऐसी हरकतों से यह साफ जाहिर होता है कि सीबीआई अब स्वतंत्र जांच एजेंसी नहीं रही है बल्कि अब यह एजेंसी 101 प्रतिशत राजनीतिक एजेंसी के साथ-साथ जातिवादी एजेंसी भी बन चुकी है, जिसका सबसे बड़ा सबूत कल देश भर के पेपरों में हमारी नेता को ले कर सीबीआई द्वारा मीडिया को दी गई छपी रिपोर्ट है।

अब जहां तक ताज प्रकरण मामले से जोड़ कर, सीबीआई द्वारा हमारी नेता के खिलाफ डीए का केस दर्ज करने का सवाल है। इस बारे में सीबीआई माननीय सुप्रीम कोर्ट के सामने यह मान चुकी है कि ताज प्रकरण मामले में जो भी धन सरकार की ओर से दिया गया था, उसमें कोई सबूत नहीं मिला। 175/17 VV inp इसके बावजूद भी सीबीआई हमारी नेता की सम्पत्ति की जांच कर रही है जबकि हमारी नेता के पास जो भी सम्पत्ति है, वह इनकम टैक्स विभाग में दर्ज है। यहां मैं यह स्पष्ट करना आवश्यक समझता हूँ कि सीबीआई जिस मामले को 175 करोड़ रुपए का घोटाला कह रही है उसमें आज तक सरकार द्वारा मात्र 17 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। सीबीआई इस घोटाले को 175 करोड़ रुपए का घोटाला बता कर प्रचारित कर रही है और मायावती जी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। इसके बाद भी हमारी नेता के ऊपर डीए का केस बनाया गया है और जिस आधार पर बनाया है, उसका खुलासा करना यहां जरूरी है।

सीबीआई ने हमारी नेता के मां, बाप, भाई, बहन तथा अन्य रिश्तेदारों की सम्पत्ति को हमारी नेता की सम्पत्ति मान कर हमारी नेता के खिलाफ डीए का केस बनाया है, जिसके बारे में सीबीआई पूछताछ कर रही है। सीबीआई के इस नए फार्मूले के तहत ही अब मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप सरकार के इस नए फार्मूले के तहत यह निर्देशित करें कि देश की सभी राष्ट्रीय व रिजनल पार्टियों के राष्ट्रीय व प्रांतीय अध्यक्षों की भी हमारी नेता की ही तरह, इनके भी मां, बाप, भाई-बहन व रिश्तेदारों की भी सम्पत्ति को, इनसे जोड़ कर इनके खिलाफ भी डीए का केस दर्ज होना चाहिए और फिर इनकी भी हमारी नेता की ही तरह जांच-पड़ताल होनी चाहिए। यदि सरकार इसे लागू नहीं करती है तो इससे फिर यह साफ स्पष्ट हो जाएगा कि सीबीआई जांच के दौरान जो दोहरा मापदंड अपना रही है, यह सब सरकार के इशारे पर हो रहा है और हमारी पार्टी को राजनीतिक नुकसान पहुंचाने के लिए जातिगत द्वेष की भावना से हो रहा है। ऐसी स्थिति में फिर हमारी पार्टी को केंद्र में कांग्रेस पार्टी को दिए हुए समर्थन पर पुनर्विचार करना होगा कि कांग्रेस पार्टी को अब आगे समर्थन जारी रखना है या नहीं रखना है। इसकी घोषणा कल हमारी नेता ने कर दी है। हालांकि इस पर चर्चा करने के लिए हमारी पार्टी ने आज पार्टी के सभी सांसदों की भी मीटिंग बुलाई थी, जिसमें इस मुद्दे पर काफी सोच-विचार किया गया है।

मैं सरकार से यह भी जानना चाहता हूँ कि यदि सरकार यह मानती है कि हमारी नेता के ऊपर इस्तेमाल किया गया डीए का यह नया फॉर्मूला गलत है तो फिर सरकार से हमारी यह मांग है कि सरकार ऐसी सीबीआई अधिकारियों को तुरंत सीबीआई से हटाकर इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करे।

अंत में मैं यह अपील करना चाहता हूँ कि दलितों, शोणितों, पीड़ितों के सम्मान का सवाल है। बहन मायावती उनके सम्मान के लिए लड़ाई लड़ रही हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करता हूँ कि सरकार वक्तव्य दे कि इस संबंध में वह क्या कार्यवाही करने जा रही है? जय भीम जय भारत।

MR. SPEAKER: Now we will take up Question Hour. Q. 661.

श्री ब्रजेश पाठक : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। वे जवाब दें कि यह दोहरा मानदंड क्यों अपनाया जा रहा है।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is very unfortunate. I cannot compel them. This is very unfortunate. I have given you full opportunity. How can I compel them to answer? It is entirely for the Government to respond.

... (Interruptions[r2])

श्री राजेश वर्मा (सीतापुर) : अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता सदन में मौजूद हैं। मैं उनसे निवेदन करता हूँ कि वे इस मामले में सदन को एश्योर करें कि वे कुछ कार्रवाई करेंगे। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is very unfortunate. You know very well that I cannot compel the Government to respond. It is entirely for the Government to respond to it.

अध्यक्ष महोदय : श्री ब्रजेश पाठक, हमने आपकी बात सुनी और आपको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया। अब आप हमारी बात सुनिए और सदन को चलने दीजिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You gave me your undertaking. I have allowed you to make a statement for full five minutes. Even then you are disturbing the proceedings of the House. I can only say that it is unfortunate. I have no right to compel them to say something. The Government has heard your views. The Ministers are present here.

श्री राजाराम पाल (बिल्हौर) : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी सरकार का समर्थन कर रही है और हमें ही अपमानित किया जा रहा है।

महोदय, सदन के नेता, सदन में बैठे हुए हैं। हम चाहते हैं कि वे हमें एश्योर करें कि वे इसके लिए कुछ करेंगे। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will request the hon. Leaders of other parties to say what happened and what transpired in the Chamber. I have agreed with them. But now you are not keeping your words. I am very sorry about it.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह का व्यवहार श्री लालू प्रसाद यादव जी के साथ किया गया है। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, the hon. Members have raised certain issues. But you will appreciate that it is not possible for the Government to respond instantly. He has raised certain issues. We have noted them. That much I can say. I cannot make any other comment beyond this.

MR. SPEAKER: Nothing more, after this, will be recorded.

*(Interruptions)\* ...*

MR. SPEAKER: What are you talking? Under what rule can I compel the Minister to reply? The hon. Leader of the House has responded to you. You are only trying to disturb the proceedings of the House. I have given you full opportunity. You know very well that I cannot compel the Government to make a comment. The hon. Leader has already responded to the issue. You are now deliberately creating disturbance. I can only say that it is a shameful behaviour.

... *(Interruptions[snb3])*

अध्यक्ष महोदय : आप बहन जी की इज्जत चाहते हैं तो स्पीकर को भी इज्जत दीजिए, आप इस तरह से इज्जत दे रहे हैं। आप लोग हाउस को इज्जत दीजिए, जनता को इज्जत दीजिए। He has already responded. I have already said that I do not want to recall it. क्या बातचीत हुई थी?

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : दो मिनट स्पीकर को भी बोलने दीजिए। You are not helping your cause by behaving in this irresponsible manner. I had suggested certain things. I have said it again that I do not want to recount what happened in the Leaders' meeting. I am saying it again. Very well, you said that you wanted to speak and I have allowed you to make your statement fully.

Then, I have said it not once but repeatedly to show me the rule under which I can compel the Government to speak or not to speak in a manner in which you want. This is the point. The hon. Leader of the House has said that he has heard it, the matter is important and he cannot react instantly. Now, where does

---

\* Not Recorded.

the House come in here? It is for you to go and talk to them outside and find out about it. If the House is not running, are you benefited? Nobody is saying that it is properly done. Nobody is giving any certificate. I am not giving a certificate to the CBI. So, what is the good in holding the House like this? You have important issues to raise. Your other colleagues have important issues to raise. I earnestly appeal to you. I have allowed you because of the seriousness of the matter and I appreciate your feelings that your leader, according to you, is not being treated properly. I am sure the Government is responsible and the Government will have to look into it. Give them also an opportunity. Please do not think that we are minimising the importance of the issue. At least, I am not minimising its importance. She is a respected leader and she has been our colleague here. But you want an answer immediately favouring you or according to what you like...

... (Interruptions)

श्री राजेश वर्मा : आप एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए।

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप एक-एक करके बोलिये।

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I will hear your leader.

... (Interruptions)

श्री राजेश वर्मा : माननीय नेता सदन में बैठे हुए हैं, ये सदन को एश्योर कर दें कि हमने जो मांग की है, जो हमारे खिलाफ सी.बी.आई. के द्वारा यह अत्याचार और अन्याय हो रहा है, इस प्रकरण को ये गम्भीरता से लेंगे और अगर जरूरी होगा तो सरकार इसका जवाब देने के लिए तैयार है, हम यह चाहते हैं। ये जब चाहें, तब अपना जवाब दे दें। ... (Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, I have told the hon. Members that I have listened to them and understood their concern. But it is not possible for the Government to react instantly. If it is needed, we are prepared to listen to them and talk to them[bru4].

We will try to understand their problem and we will try to resolve it. It is not our intention to harass an important leader. ... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : वे बोल रहे हैं कि आपके साथ बातचीत करेंगे। लेकिन आज ही कैसे कर सकते हैं?

...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: There is no question of any intention of harassing any leader. ... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं? अब हो तो गया।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Rajesh Verma, you are a responsible Member.

... (*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: We are all concerned because she is our colleague. She is the supporter of the UPA. This matter should be sorted out. Let them not disrupt the proceedings of the House. I am prepared to sit with them and talk. The Home Minister is prepared to sit with them. Let us resolve the issue. But I cannot just give any assurance that we will act as per their wish.

श्री राजेश वर्मा : ठीक है, महोदय।

MR. SPEAKER: Thank you very much all of you. Hon. Leaders, this is the way to solve the matters. He has assured that he will consider the issue and that he will sit with you and talk. Thank you very much for your cooperation.